



Mr. Manvi jain

23 Feb 2005

11:23 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 119818804

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 23/02/2005
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 23:23:00 घंटे
इष्ट _____: 41:15:05 घटी
स्थान _____: Indore
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 22:42:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:56:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:13:23 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:11:29 घंटे
सूर्योदय _____: 06:52:58 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:26:51 घंटे
दिनमान _____: 11:33:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 11:17:28 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 19:33:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: अतिगण्ड
करण _____: बव
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मी-मीनाक्षी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

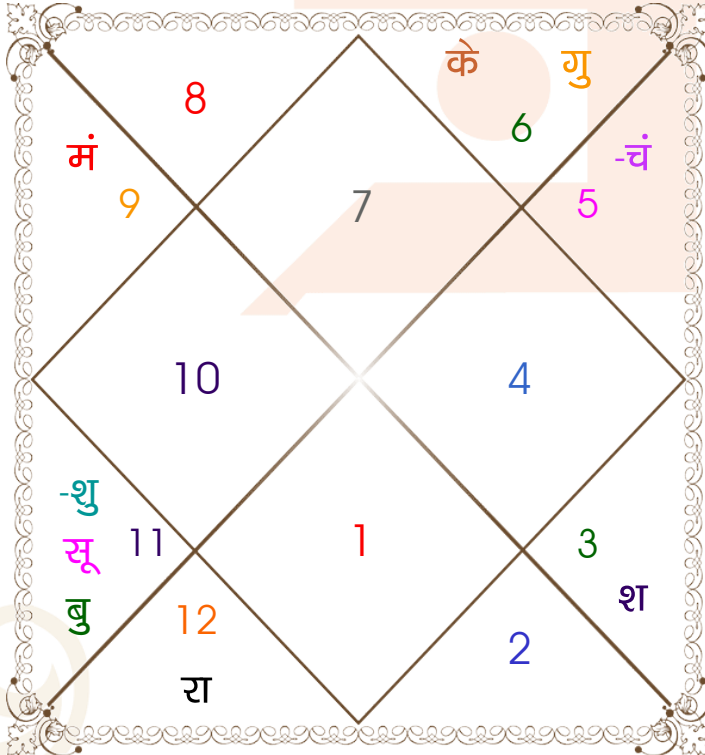
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:33:29	319:49:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	11:17:28	01:00:21	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	06:08:50	12:11:04	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			धनु	18:07:09	00:42:48	पूर्वाषाढा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध	अ		कुंभ	19:07:00	01:52:57	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		कन्या	24:12:02	00:03:59	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र	अ		कुंभ	02:28:04	01:15:00	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	27:05:53	00:02:48	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मीन	29:48:55	00:08:39	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	29:48:55	00:08:39	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	12:44:22	00:03:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	21:53:38	00:02:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:19:00	00:01:01	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	21:28:39	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

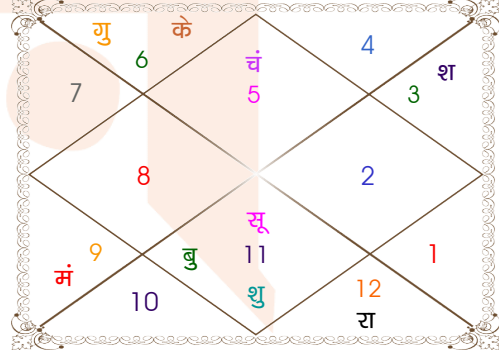
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:38

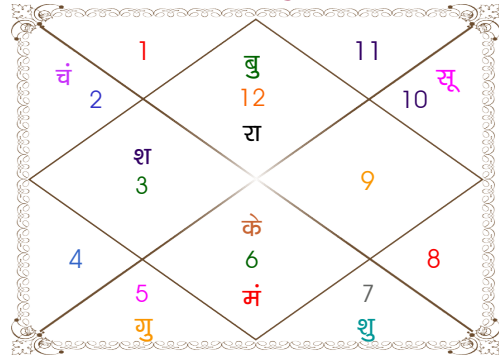
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 9 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष 23/02/2005 02/12/2008	शुक्र 20 वर्ष 02/12/2008 02/12/2028	सूर्य 6 वर्ष 02/12/2028 03/12/2034	चंद्र 10 वर्ष 03/12/2034 02/12/2044	मंगल 7 वर्ष 02/12/2044 03/12/2051
00/00/0000	शुक्र 03/04/2012	सूर्य 22/03/2029	चंद्र 03/10/2035	मंगल 01/05/2045
00/00/0000	सूर्य 03/04/2013	चंद्र 21/09/2029	मंगल 03/05/2036	राहु 19/05/2046
00/00/0000	चंद्र 03/12/2014	मंगल 26/01/2030	राहु 02/11/2037	गुरु 25/04/2047
00/00/0000	मंगल 02/02/2016	राहु 21/12/2030	गुरु 04/03/2039	शनि 03/06/2048
23/02/2005	राहु 02/02/2019	गुरु 09/10/2031	शनि 03/10/2040	बुध 31/05/2049
राहु 21/11/2005	गुरु 03/10/2021	शनि 20/09/2032	बुध 04/03/2042	केतु 27/10/2049
गुरु 27/10/2006	शनि 02/12/2024	बुध 28/07/2033	केतु 03/10/2042	शुक्र 27/12/2050
शनि 06/12/2007	बुध 03/10/2027	केतु 03/12/2033	शुक्र 03/06/2044	सूर्य 04/05/2051
बुध 02/12/2008	केतु 02/12/2028	शुक्र 03/12/2034	सूर्य 02/12/2044	चंद्र 03/12/2051
राहु 18 वर्ष 03/12/2051 03/12/2069	गुरु 16 वर्ष 03/12/2069 03/12/2085	शनि 19 वर्ष 03/12/2085 03/12/2104	बुध 17 वर्ष 03/12/2104 04/12/2121	केतु 7 वर्ष 04/12/2121 00/00/0000
राहु 15/08/2054	गुरु 21/01/2072	शनि 05/12/2088	बुध 02/05/2107	केतु 02/05/2122
गुरु 08/01/2057	शनि 03/08/2074	बुध 16/08/2091	केतु 28/04/2108	शुक्र 02/07/2123
शनि 15/11/2059	बुध 08/11/2076	केतु 23/09/2092	शुक्र 27/02/2111	सूर्य 07/11/2123
बुध 03/06/2062	केतु 15/10/2077	शुक्र 24/11/2095	सूर्य 04/01/2112	चंद्र 07/06/2124
केतु 22/06/2063	शुक्र 15/06/2080	सूर्य 05/11/2096	चंद्र 04/06/2113	मंगल 03/11/2124
शुक्र 22/06/2066	सूर्य 03/04/2081	चंद्र 06/06/2098	मंगल 01/06/2114	राहु 24/02/2125
सूर्य 16/05/2067	चंद्र 03/08/2082	मंगल 16/07/2099	राहु 19/12/2116	00/00/0000
चंद्र 14/11/2068	मंगल 10/07/2083	राहु 23/05/2102	गुरु 27/03/2119	00/00/0000
मंगल 03/12/2069	राहु 03/12/2085	गुरु 03/12/2104	शनि 04/12/2121	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपत्ति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

